Prabhat Khabar (Date: - 12/10/2019)

27 से एयर इंडिया की मुंबई से कोलकाता के लिए पहली फ्लाइट

संवाददाता ▷ पटना

नयी दिल्ली के बाद एयर इंडिया पहली बार पटना-मुंबई और पटना-कोलकाता के लिए विमान सेवा शुरू करने जा रही है. दोनों फ्लाइट की शुरुआत 27 अक्तूबर से हो रही है. पटना से मुंबई और पटना से कोलकाता के लिए शुरू होने वाली दोनों फ्लाइट सप्ताह में चार दिन ही चलेगी. इसका संचालन मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को होगा. मुंबई से पटना आने वाली फ्लाइट संख्या- एआइ-673 सुबह 7.55 बजे उड़ान भरेगी और 10.20 बजे पटना पहुंचेगी. वहीं, फ्लाइट संख्या- एआइ-732 पटना से मुंबई के लिए रात में 9.05 बजे उड़ान भरेगी और 10.55 बजे मुंबई पहुंचेगी. कोलकाता से पटना के लिए शाम 7.40 बजे फ्लाइट संख्या- एआइ-732 उड़ान भरेगी और 8.40 बजे पटना पहुंचेगी. वहीं फ्लाइट संख्या- एआइ-726 पटना से 5.35 बजे उड़ान भरेगी और 6.35 कोलकाता पहुंचेगी.

Prabhat Khabar (Date: - 12/10/2019)

बिहारी मजदूरों को गलत तरीके से बाहर भेजने वालों पर निगरानी

संवाददाता ▷ पटना

बिहारी मजदूर देश से बाहर जाकर किसी उलझन में नहीं फंस जाये,

इसको लेकर श्रम संसाधन विभाग ने जिला स्तर पर सेल बनाने का निर्णय लिया है. सेल में पुलिस, स्थानीय लोग, विभाग के पदाधिकारियों को शामिल किया गया है. कमेटी स्थानीय थानों के सहयोग से वैसे एजेंटों पर निगरानी करेगी, जो देश से बाहर मजदूरों को अधिक पैसा कमाने का लोभ देकर गलत तरीके से भेजते हैं. जो लोगों को देश से बाहर गलत तरीके से मजदूरी के लिए भेजने के नाम पर मोटी रकम लेकर गायब हो जाते है. देश से बाहर नौकरी या मजदूरी के लिए जाने वाले लोगों को सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधा की विभागीय समीक्षा के दौरान यह बात सामने आयी है.

यहां खुले मजदूरों के लिए प्रशिक्षण केंद्र : पटना, गया, मुजफ्फरपुर व दरभंगा में प्रशिक्षण केंद्र खोला गया है. जहां, खाड़ी देशों में नौकरी के लिए जाने वालों को प्रशिक्षण दिया जायेगा. साथ ही उनको क्या-क्या करना है और किस देश में वह जाना चाहते है. वहां के रहन-सहन के बारे में ट्रेनिंग दी जायेगी. अगले छह माह में सीवान, गोपालगंज, छपरा में खोला जायेगा. इसके बाद गलत ढंग से बाहर भेजने वाले एजेंटों पर अंकुश लग पायेगा.

अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण की कमी होगी दूर : मंत्री

पटना. श्रम संसाधन विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आइटीआइ छात्रों के लिए राज्य में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण की कमी को दूर करने के उपाय किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि युवाओं को अप्रेंटिस प्रशिक्षण के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने और उन्हें रोजगार के अधिक अवसर मिले, इसके लिये विभाग ने तीन सदस्यों की एक कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है. कमेटी के माध्यम से वैसी कंपनियों को चिह्नित किया जायेगा, जहां युवाओं को अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण मिल सके. इस संबंध में एक सप्ताह के अंदर में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. वहीं, आगामी 15 को अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण को बिहार में बढ़ावा देने को कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा. श्रम संसाधन विभाग की ओर से जिलों में भी नियोजन मेला आयोजित किया जायेगा. अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के संदर्भ में युवाओं को पूरी जानकारी मिलेगी. युवाओं को अप्रेंटिस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मानदेय दिया जायेगा. नियोजन मेला में श्रमिकों के हितों के संबंध में विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी मिलेगी. बेरोजगार युवक व युवतियों को एनसीएस पोर्टल पर तत्काल निबंधन की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी.

Prabhat Khabar (Date: - 12/10/2019)

जेपी को किया गया याद

पटना

पटना. लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया .

Prabhat Khabar (Date: - 12/10/2019)

गैलरी में दिखेगा सरदार पटेल का जीवन

अंबर @ पटना

श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल पर आधारित विशेष गैलरी को खोलने की तैयारी है. एक भारत के नाम वाली इस गैलरी में सरदार पटेल की राजनैतिक और सामाजिक जीवन को दर्शाने के लिए डिजिटल स्क्रीन और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है. भारत के विभिन्न राज्यों से होकर यह डिजिटल प्रदर्शनी श्रीकृष्ण विज्ञान केंद्र पहुंची है. विज्ञान केंद्र के परियोजना निदेशक अमिताभ ने बताया कि प्रदर्शनी का सेटअप करीब-करीब तैयार हो चुका है. शहर के लोगों के लिए प्रदर्शनी के उद्घाटन की प्रस्तावित तिथि 17 अक्तूबर है. उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के माध्यम से पर्यटकों को सरदार पटेल से जुड़ी सारी जानकारी को आकर्षक रूप से प्रदान करना है, ताकि वह इसे एंज्वाय भी करें और जानकारी भी हासिल कर सकें. यह प्रदर्शनी दो महीने के लिए लगायी जा रही है. प्रदर्शनी में सरदार पटेल के नेशनल अर्काइव में संग्रहित वीडियो को भी दिखाया जायेगा.

प्रदर्शनी में क्या होगा खास ?

सरदार पटेल ने किस तरह विभिन्न रियासतों का भारत में विलय कराया, इसकी पूरी जानकारी आडियो- वीडियो कियोस्क के माध्यम से जान सकेंगें. इसके अलावा उस समय मौजूद रियासतों के सिक्कों का पूरा विवरण भी स्क्रीन पर रहेगा. प्रदर्शनी में लगे स्लाइडर विजुअल सीकर की मदद से 1935 से 1947 तक की सरदार पटेल की जीवन यात्रा की जानकारी लोग हासिल कर सकेंगे. वहीं, डिजिटल स्क्रीन की मदद से सरदार पटेल पर आधारित तीन किताबों को पर्यटक पढ़ सकेंगे.

डिजिटल सेल्फी जोन भी होगा खास

गैलरी के एक सेक्शन में एलइडी स्क्रीन लगाया गया है. इसमें सरदार पटेल के साथ लोग डिजिटल सेल्फी भी ले सकेंगे. प्रदर्शनी में सरदार पटेल के दिल्ली स्थित कार्यालय को भी प्रदर्शित किया जायेगा. जहां सरदार पटेल की प्रतिमा को दफ्तर में बैठा दर्शाया गया है. प्रदर्शनी में राष्ट्रीय एकता संकल्प लेने के लिए स्क्रीन लगायी गयी है. इसमें पर्यटक अपना नाम, सिटी और इ-मेल आइडी देकर राष्ट्रीय एकता संकल्प ले सकते है, जो कि मिनिस्ट्री ऑफ कल्चरल के सर्वर में सेव हो जायेगा.

Prabhat Khabar (Date: - 12/10/2019)

तारामंडल विभिन्न प्रदेशों के 80 से ज्यादा स्टॉल लगे, 20 तक चलेगी प्रदर्शनी

एक ही छत के नीचे मिलेंगी देश की प्रसिद्ध साड़ियां

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

कश्मीर का पश्मीना शॉल हो या तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ियां सभी एक ही छत के नीचे शहर में मौजूद हैं. हस्तशिल्पी के बैनर तले आयोजित दस दिवसीय सिल्क इंडिया प्रदर्शनी का शुरुआत शुक्रवार को तारामंडल में हुई. जहां देश भर से आये बुनकर अपने - अपने इलाके के प्रसिद्ध कपड़ों को लेकर पहुंचे हैं. यह प्रदर्शनी 20 अक्तूबर तक सुबह 10.30 बजे से 8.30 बजे तक चलेगी. प्रवेश निःशुल्क होगा. प्रदर्शनी में कुल 80 से ज्यादा स्टॉल लगाये गये हैं, जिसमें बेंगलुरू, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कश्मीर, भागलपुर, हैदराबाद, पंजाब, बनारस, लखनऊ, इंदौर,असम, राजस्थान, असम, झारखंड, मुंबई, आजमगढ़, कोलकाता आदि जगहों से आये लोगों ने स्टॉल लगाया है. यहां साड़ियों की कीमत हजार रुपये से

लेकर अस्सी हजार रुपये तक है. कर्नाटक बैंगलुरु से आये साड़ी विक्रेता एस पांडु रंगा राव ने बताया कि उनके पास 80 हजार रुपये की कांजीवरम साड़ी है, इन साड़ियों को बनाने में प्योर सिल्क और जरी का इस्तेमाल किया जाता है. जम्मू कश्मीर से आये बिलाल बताते हैं कि कश्मीर का पश्मीना शॉल विद कनी जमावर सबसे लोकप्रिय है इसकी कीमत 65 हजार रुपये हैं. एक शॉल बनाने में एक महीने का समय लग जाता है. वहीं, केरल से आये सुदीश जॉन ने बताया कि उनके पास प्योर कॉटन की डबल बेडशीट और पिलो कवर है जिसकी कीमत 750 रुपये हैं.

ये हैं साड़ियों की वेराइटी

बैंगलुरु का मैसूर सिल्क, उपाडा सिल्क, कांजीवरम, बनारस का अंटा क्लॉक साड़ी, कडुड़ा साड़ी, जामवार, जामदानी साड़ियां, पंजाब का फूलकारी दुपट्टा जाल और बाघ वर्क), कुर्ती, प्लाजो, साड़ियां, हैदराबाद का पोचमपल्ली (इकत साड़ी) जिसमें कॉटन और सिल्क की साड़ियां, गदवाल सिल्क साड़ियां, यूपी का मूंगा सिल्क, कतान सिल्क, कॉटन साड़ी, कश्मीर का पश्मीना शॉल, कश्मीरी सूट, पारंपरिक कश्मीरी प्रिंटेड साड़ियां, मलबरी सिल्क, भागलपुर का भागलपुरी सिल्क की साड़ियां, छत्तीसगढ़ का कोसा सिल्क, रॉ सिल्क, डूपियन सिल्क, तसर सिल्क, मूगा टिशू सिल्क, केरल कॉटन और क्रेप कॉटन बेडशीट, मुंबई का कॉटन कुर्ती, रियोन प्रिंटेड कुर्ती, राजस्थान का डबल डिजाइन स्कर्ट, प्लाजो आदि मौजूद हैं.

साड़ियों की रेंज

मैसूर सिल्क-	5000 रुपये से 15000 रुपये
उपाडा सिल्क-	10000 रुपये से 15000 रुपये
कांजीवरम साड़ियां-	5000 रुपये से 80000 रुपये
फूलकारी दुपट्टा-	1000 रुपये से 5000 रुपये
पंजाबी सूट(कपड़ा थ्री पीस)-	1200 रुपये से 2500 रुपये
पोचमपल्ली - कॉटन-	2500 रुपये से 30000 रुपये
पोचमपल्ली - सिल्क-	11000 रुपये से 65000 रुपये
गदवाल सिल्क-	12000 रुपये से 45000 रुपये
मूंगा सिल्क-	12000 रुपये से 28000 रुपये
कतान सिल्क-	18000 रुपये से 35000 रुपये
कश्मीरी सूट-	3200 रुपये से 5000 रुपये
मलबरी सिल्क-	2500 रुपये से 7000 रुपये
कोसा सिल्क-	6500 रुपये से 15000 रुपये
रॉ सिल्क-	4500 रुपये से 8500 रुपये
कोसा टिशू सिल्क-	6000 रुपये से 20000 रुपये